# श्रीनगर प्रशासन ने पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

श्रीनगर, 10 मार्च। जिला प्रशासन श्रीनगर ने सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, कौशल विकास और जिला उद्योग केंद्र के सहयोग से आज पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के उत्थान के लिए शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। .

बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीनगर के उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट थे।

योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और कारीगर समुदाय की बेहतरी के लिए इसकी क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम में हितधारकों और लाभार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त ने यह सुनिश्चित करने के लिए योजना के बेहतर कार्यान्वयन पर जोर दिया कि इसका लाभ पारंपरिक और विरासत शिल्प के संरक्षण में योगदान देने वाले कारीगरों तक पहुंचे। पीएम विश्वकर्मा पहल की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, डीसी ने कहा कि यह योजना पारंपरिक और विरासत शिल्प के संरक्षण में योगदान देने वाले कारीगरों और शिल्पकारों के जीवन को बदलने के अलावा, अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले जिले के कारीगरों को सीधे लाभान्वित करेगी। डीसी ने आगे कहा कि यह योजना कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा (पारंपरिक कारीगर) के रूप में मान्यता देने में सक्षम बनाएगी, जिससे वे योजना के तहत लाभ उठाने के पात्र बन जाएंगे। डीसी ने जमीनी स्तर पर आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए चिन्हित व्यवसायों में जिले भर के सभी पात्र लाभार्थियों को कवर करने के लिए योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। इससे पहले, सहायक निदेशक एमएसएमई ने एमएसएमई मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय श्रीनगर और जिला प्रशासन श्रीनगर के सहयोगात्मक प्रयास को रेखांकित किया, जो स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और जिले में कारीगरों और शिल्पकारों के स्थायी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण का प्रतीक है।

# कृषि निदेशक ने 'औषधीय और सुगंधित पौधों को बढ़ावा देने' पर कार्यक्रम का उद्घाटन किया

श्रीनगर, 10 मार्च। निदेशक कृषि कश्मीर, चौधरी मोहम्मद इकबाल ने आज उप-मंडल चादूरा, बडगाम में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत ÷औषधीय और सुगंधित पौधों को बढ़ावा देने÷ पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक कृषि ने क्षेत्र में व्यावसायिक आधार पर औषधीय और सुगंधित पौधों को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा की गई पहलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विभाग पहले ही नए क्षेत्रों और भूमियों को व्यावसायिक आधार पर औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती के तहत ला चुका है।

उन्होंने कहा कि एचएडीपी के तहत खेती का विस्तार किया गया है और कश्मीर संभाग के सभी जिलों में इसकी शुरुआत की गई है। चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में इन पौधों को बढ़ावा देने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विभाग ने न केवल संबंधित किसानों को रोपण सामग्री प्रदान की है, बल्कि किसानों के साथ निकट समन्वय में काम कर रहा है और उन्हें उनकी फसल खेती गतिविधियों के दौरान तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।

उन्होंने प्रतिभागियों को निकट समन्वय में काम करने और एचएडीपी के तहत विभिन्न परियोजनाओं के बारे में किसानों के बीच अधिकतम जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित किसानों के बीच औषधीय एवं सुगंधित पौधों का वितरण किया।

मेरा। कार्यक्रम में शकूर डीएलएसएमएस, फैयाज अहमद वार एसडीएओ चादूरा, सैयद मुबाशिर कमर एईओ चादूरा, अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

# प्रधान सचिव ने सांबा, कठुआ में जी एंड बी, एसटी छात्रावासों का दौरा किया

**कामकाज का आकलन किया ।**

**दोनों जिलों में नव स्वीकृत जनजातीय छात्रावासों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की**

जम्मू, 10 मार्च- जनजातीय मामलों के प्रधान सचिव, सुरेश कुमार गुप्ता ने आज सांबा और कठुआ के गुज्जर और बकरवाल (जी एंड बी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रावासों का दौरा किया, ताकि मौजूदा जनजातीय छात्रावासों के कामकाज का आकलन किया जा सके, इसके अलावा नए स्वीकृत भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। जुड़वां जिलों में आदिवासी छात्रावास।

जीएंडबी/एसटी छात्रावास सांबा में प्रमुख सचिव ने छात्रावास के छात्रों से बातचीत की और उनसे वहां दी जा रही सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने जा रहे विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने छात्रावास परिसर का दौरा करने के अलावा छात्रावास के कमरों, रसोई, भोजन कक्ष का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर सांबा के उपायुक्त अभिषेक शर्मा, जनजातीय मामलों के निदेशक मुशीर अहमद मिर्जा, पुस्तकालय के निदेशक मोहम्मद रफी, जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी के सचिव भरत सिंह मन्हास, छात्रावास कर्मचारी और अन्य उपस्थित थे।

जनजातीय मामलों के निदेशक ने प्रधान सचिव को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही कल्याण और विकासात्मक योजनाओं के बारे में जानकारी दी, साथ ही उन्हें छात्रावास के कामकाज, इन जनजातीय छात्रावासों में छात्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने छात्रावासों के आधुनिकीकरण योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि छात्रावास के छात्रों को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय की मदद से जनवरी 2024 में नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड समारोह देखने का दुर्लभ अवसर मिला, जहां छात्रों ने विरासत स्थलों का दौरा करने के अलावा प्रधान मंत्री, केंद्रीय जनजातीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। दिल्ली के आसपास.

सांबा के उपायुक्त ने प्रधान सचिव को छात्रावास के निवासियों को जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रु. छात्रावास में खेल का मैदान विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा 7.00 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024 के अंत से पहले इसका काम पूरा कर लिया जाएगा।

एम्स सांबा के पास गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण के संबंध में बताया गया कि धनराशि जारी कर दी गई है और जिला प्रशासन सांबा के निपटान में डाल दी गई है।

प्रमुख सचिव ने निष्पादन एजेंसियों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया ताकि आदिवासी छात्राएं अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए सुविधा का उपयोग कर सकें।

कठुआ में, प्रधान सचिव ने जिले के लिए स्वीकृत गर्ल्स हॉस्टल की स्थिति की समीक्षा करने के अलावा जी एंड बी/एसटी बॉयज़ हॉस्टल का निरीक्षण किया।

# जिला निर्वाचन अधिकारी रियासी ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

रियासी, 10 मार्च। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) रियासी, विशेष महाजन ने जिले में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी महाजन ने अधिकारियों को जिला रियासी में की गई परिसीमन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और जिले की कुल जनसंख्या, मतदाताओं और मतदान केंद्रों की विस्तृत समीक्षा की। चुनाव प्रक्रिया के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर देने के साथ संवेदनशील और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर गहन चर्चा की गई।

डीईओ महाजन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रियासी चुनाव के दौरान प्रेषण और संग्रह केंद्र के रूप में काम करेगा। एक विस्तृत परिवहन योजना की भी समीक्षा की गई, जिसमें यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि मतदान दल समय पर अपने निर्धारित स्टेशनों पर पहुंचें।

इसके अलावा, डीईओ महाजन ने ट्रांजिट स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था पर चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को समय रहते इसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ने का आह्वान किया। इस बीच, उन्होंने सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) रियासी को जिला परिवहन योजना के अनुसार रिजर्व पूल के साथ मतदान केंद्र-वार वाहनों की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर शौचालय, पानी, बिजली और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बिजली विहीन मतदान केंद्रों पर सोलर लाइट लगाने का सुझाव दिया. साथ ही मतदान दलों के लिए भोजन एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

बैठक में मतदाता जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) गतिविधियों की विस्तृत योजना पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील और महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डाला। एसएसपी मोहिता शर्मा ने मतदान के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने अधिकारियों से आम जनता की शिकायतों के निवारण के लिए टोल-फ्री नंबर 1950 और नियंत्रण कक्ष संपर्क नंबर 01991-244320 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि चुनाव संबंधी किसी भी शिकायत के लिए नागरिक डीसी कार्यालय परिसर में नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं या टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं।

डीईओ महाजन ने सभी अधिकारियों से जिले में चुनाव के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने का आग्रह किया।

सुखदेव सिंह सम्याल एडीडीसी रियासी, मोहम्मद अनवर बंदे पीओ पोषण, तारिक अजीज एसडीएम धरमाड़ी, मजाहिर हुसैन एसडीएम माहौर, पीयूष धोत्रा एसडीएम कटरा, विपन चंद्रन एएसपी कटरा, प्रदीप कुमार एसीडी, अंशुमाली शर्मा एसीआर, राकेश कुमार डिप्टी। डीईओ इफ्तखार अहमद एड. बैठक में एसपी, अर्धसैनिक बलों के अधिकारी और जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# बाढ़ प्रभावित नचलाना-मंगित क्षेत्र में मूल्यांकन, बहाली का काम शुरू

रामबन, 10 मार्च। अध्यक्ष, जिला विकास परिषद (डीडीसी) रामबन, डॉ. शमशाद शान ने डीडीसी खारी, गुलशन परवीन और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट बनिहाल, रिजवान असगर के साथ हाल ही में आए तूफान से हुए नुकसान का व्यापक मूल्यांकन किया। नचलाना-मंगित रोड, आसपास के इलाकों और बाजार खारी में बाढ़।

यात्रा के दौरान, एक स्थानीय मदरसे, आवासीय घरों और बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण क्षति देखी गई, जिससे प्रभावित लोगों के पुनर्वास की तत्काल आवश्यकता थी। मूल्यांकन के जवाब में, डॉ. शमशाद शान ने कावना बुजला रोड पर निष्पादन कार्य शुरू करने की घोषणा की, जिसकी अनुमानित लागत 3.50 करोड़ रुपये है, जिसमें नाबार्ड से वित्त पोषण सहायता और यूटी सेक्टर के तहत 1 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यूडी डिवीजन बनिहाल के तहत यूटी कैपेक्स के तहत 1.50 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ कुमला से चेरवाड़ा रोड का पुनर्निर्माण भी शुरू किया गया।

प्रभावित निवासियों के लिए सहायता सुनिश्चित करते हुए, डॉ. शमशाद शान ने प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियों का तेजी से समाधान करने के लिए डीडीसी खारी और उसके समकक्षों की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सहयोगात्मक प्रयासों का उद्देश्य सामान्य स्थिति बहाल करना और प्रभावित समुदायों को आवश्यक सहायता प्रदान करना है।

# सरकार जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक, साक्षरता विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए बहु-आयामी रणनीतियों पर काम कर रही है : प्रमुख सचिव

कठुआ, 10 मार्च- क्षेत्र की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के अपने प्रयासों में, सरकार ने सामान्य रूप से केंद्र शासित प्रदेश और विशेष रूप से कठुआ जिले में इन क्षेत्रों को पुनर्जीवित और पुनर्जीवित करने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति तैयार की है।

प्रमुख सचिव संस्कृति सुरेश कुमार गुप्ता ने जिले के व्यापक दौरे के दौरान यह बात कही. उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कठुआ के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए जम्मू-कश्मीर कला, सांस्कृतिक और भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) को निर्देश जारी किए गए हैं, जो इस दिशा में एक कदम आगे होगा।

सांस्कृतिक केंद्र, जिसका निर्माण कठुआ में चल रहा है, एक सभागार, अतिथि कक्ष, पुस्तकालय और कार्यालय स्थान के साथ अत्याधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है।

सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि संस्कृति विभाग जेकेएएसीएल के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कला रूपों के लेखकों और विशेषज्ञों के साथ निकट संपर्क में काम करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि कठुआ में अकादमी के उप-कार्यालय को अपनी गतिविधियों को व्यापक बनाने के लिए तैयार किया जाएगा, जो जगह और संबद्ध सुविधाओं की कमी के कारण कमोबेश स्थानीय मुशायरों और सेमिनारों के आयोजन तक ही सीमित है। प्रधान सचिव ने कहा कि कठुआ क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र पर काम में तेजी लाने के लिए जेकेएएसीएल द्वारा लोक निर्माण विभाग और अन्य संबद्ध विभागों और एजेंसियों से भी संपर्क किया जाएगा।

# शाहिद अली ने की प्रेसवार्ता, सरकार की गिनाई उपलब्धियां पत्रकारों को किया सम्मानित

बुलंदशहर। डिबाई क्षेत्र के कसेर कला में नरौरा मण्डल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा व समस्त पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता की और पत्रकारों को सम्मानित कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें पत्रकारों से मुलाकात की और अपने क्षेत्र की समस्या को पत्रकारों को अगवत कराया साहिद अली ने प्रेसवार्ता कर आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर बैठक के माध्यम से केन्द्र सरकार की योजनाओं से आमजन मानस के हितों को ध्यान में रखते हुए कल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा की। और अल्पसंख्यक के सभी पदाधिकारियों ने पत्रकारों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

साहिद अली ने कहा की भाजपा सरकार अबकी बार पिछले रिकॉड तोड़ सीटों पर कब्जा करेंगी देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने जा रही हैं मुझे आशा हैं कि इस बार पूर्ण अल्पसंख्यक समाज के लोग सभी अधिक से अधिक वोट डालेंगे इस मौके पर मण्डल उपाध्यक्ष अंजूम गुडिया, मण्डल मंत्री मेहराज फातिमा, कमर, आशीष राघव, मोहम्मद आसिम, मुशाहिर सूफी नूरी, जावेद अली, मानक चन्द्र, मुबारक लाल, डॉ जीके चन्द्र, आबिद अली, पत्रकार संदीप वार्ष्णेय साजिद, शफीकुरहमान, पवन शर्मा, केपी सिंह, बोवी लाल सहित सभी समस्त सम्मानित ग्रामवासी आदि मौजूद रहे।

# डोडा में जंट्रून स्नो फेस्टिवल-2024 ने हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया

डोडा, 10 मार्च। डोडा जिले में आयोजित जंट्रून स्नो फेस्टिवल 2024 ने अपने मनमोहक दृश्यों से सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया और एक शानदार सफलता साबित हुई।

बर्फ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि में, उपस्थित लोग प्रकृति की शांत सुंदरता में डूब गए, जिससे वास्तव में जादुई माहौल बन गया। यह त्यौहार जंट्रोन लोगों की अनूठी संस्कृति और परंपराओं के एक जीवंत उत्सव के रूप में कार्य करता है।

उपस्थित लोगों को प्रदर्शन, संगीत, नृत्य, वॉलीबॉल मैच, कबड्डी और अन्य खेलों सहित कई गतिविधियों का आनंद दिया गया, जिनमें से सभी ने क्षेत्र की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया।

जीवंत उत्सवों के अलावा, स्नो फेस्टिवल में कला और शिल्प प्रदर्शनियाँ भी शामिल थीं, जो स्थानीय कारीगरों को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती थीं।

जिला प्रशासन डोडा के सहयोग से सिविल सोसाइटी सब-डिवीजन थाथरी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को व्यापक प्रशंसा मिली।

उपायुक्त हरविंदर सिंह सहित सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति ने क्षेत्र में स्थानीय संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

जिला विकास परिषद के अध्यक्ष धनंतर सिंह कोटवाल, डीडीसी उपाध्यक्ष, एएसपी ऑपरेशन, डीडीसी सदस्यों, एसडीएम, सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोगों के साथ इस त्योहार ने थाथरी, कहारा, चिरल्ला, गंदोह के निवासियों के बीच एकता और गर्व की भावना को बढ़ावा दिया। भद्रवाह, डोडा और आसपास के क्षेत्र।

डीसी डोडा की भागीदारी ने सामुदायिक पहल के प्रति सरकारी समर्थन और प्रतिबद्धता, स्थानीय जुड़ाव को प्रोत्साहित करने और समुदाय के भीतर संबंधों को मजबूत करने का संकेत दिया। कुल मिलाकर, जंट्रून स्नो फेस्टिवल 2024 ने लोगों को एक साथ आने, आनंद लेने और जंट्रून लोगों और उनकी पोषित परंपराओं की गहरी समझ हासिल करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया।

# साबितगढ़ शुगर मिल ने भेजा 26 फरवरी तक के गन्ने का भुगतान

पहासू (बुलंदशहर)। पहासू स्थित त्रिवेणी की साबितगढ़ शुगरमिल ने गन्ने के भुगतान में अपनी प्राथमिकता दिखाते हुए गन्ना किसानों के खाते में 26 फरबरी 2024 तक के गन्ने का भुगतान 20 करोड़ 2 लाख भेज दिया है । ग्रुप महाप्रबंधक प्रदीप खण्डेलवाल ने कहा कि सभी किसान अपने खातों को जरूर चेक करलें ताकि उन्हें भुगतान की नवीनतम जानकारी रहे ।साथ ही उन्होंने सभी सम्बन्धित किसानों से अपील की है कि अपना सम्पूर्ण गन्ना अपनी मिल को ही सप्लाई करें व हमेशा की तरह मिल को अपना सहयोग बनाये रखें ।गन्ना प्रमुख दिनेश चहल ने कहा कि किसानों को अगर कोई भी मिल से सम्भन्धित परेशानी है तो वो गन्ना बिभाग में सम्पर्क करके उसका निदान करा सकते हैं ।